अपठित गद्यांश

3 विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व सर्वाधिक है। विद्यार्थियों का जीवन ज्ञान प्राप्त करने और अध्ययन करने का समय होता है। इसके लिए विद्यार्थियों को दो बातों की ओर विशेष ध्यान देना होता है। पहली बात मन को केंद्रित रखना और दूसरी बात शिक्षण संस्था के नियमों पर चलना। ये दोनों बातें अनुशासन से ही पूरी हो सकती हैं। अनुशासन में ही वह शक्ति है, जो विद्यार्थियों के मन को केंद्रित रख सकती है और उन्हें शिक्षण संस्था के नियमों पर चला सकती है। इसी के बल पर वे सफलता के आसमान छू सकते हैं, जो उनका लक्ष्य होता है।

(क) विद्यार्थी जीवन में किस चीज़ का सर्वाधिक महत्व है?

.....

(ख) विद्यार्थियों को किन बातों की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए?

.....

(ग) विद्यार्थियों के मन को केंद्रित रखने के लिए किस चीज़ की आवश्यकता होती है?

.....

(घ) विपरीतार्थक शब्द लिखिए–विशेष, ज्ञान, सफलता।

.....

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

.....

y S.K.R

प्रार्थना सभा का पूर्ण लाभ उठाना चाहिए तथा

5. आलस बुरी बला है

किसी ने सत्य कहा है–'आलस्य मनुष्य का परम शत्रु है।' आलस मनुष्य की क्रियाशीलता को बाधित कर देता है। आलसी व्यक्ति की पहचान है कि वह सदा दूसरों पर दोष लगाता रहता है या अपने भाग्य को कोसता है। वह अपनी अकर्मण्यता को अपनी असफलता का कारण नहीं मानता। आलसी व्यक्ति का ज्ञान और आत्मविश्वास बहुत कमज़ोर होता है। ऐसा व्यक्ति अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पाता। जितना भी वह अर्जित करता है, उसी में संतोष करने लग जाता है। वह अपनी क्षमताओं का विकास नहीं कर पाता है। उसका शरीर और मस्तिष्क दोनों शिथिल हो जाते हैं। वह कुछ भी नया करने से कतराता है। प्रत्येक मनुष्य को चाहिए कि वह कर्म करे, भाग्य के भरोसे न बैठा रहे। आलस्य रूपी शत्रु को हराकर अपनी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।